



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम  
अभ्युक्त उत्तरी लोक

दिनांक  
28-12-23

पृष्ठ संख्या  
५

कॉलम  
१-४

सामुदायिक विज्ञान शिक्षा

एचएयू में चुनौतियां एवं अवसर विषय पर आयोजित की गई राष्ट्रीय संगोष्ठी

## परिवार, समाज व संसाधनों के बीच तालमेल जरूरी : कुलपति

संवाद न्यूज एजेंसी

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कंबोज ने कहा कि अगले दशक में देश में युवाओं की आबादी दुनिया में सबसे अधिक होगी। यदि देश का उत्थान करना है तो युवाओं को परिवार, समाज व संसाधनों के बीच तालमेल स्थापित करना होगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कंबोज ने विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की स्वर्ण जयंती के उपलक्ष्य पर सामुदायिक विज्ञान शिक्षा : चुनौतियां एवं अवसर विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में बतौर मुख्यातिथि रहे। इस दौरान मुख्य वक्ता के रूप में पंतनगर के गोबिंद वल्लभ



एचएयू में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में मौजूद वक्ता। संवाद

पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी की पूर्व अधिष्ठाता डॉ. रीटा रघुवंशी उपस्थित रहीं।

लुधियाना के पंजाब कृषि विश्वविद्यालय में कॉलेज ऑफ होम साइंस की पूर्व अधिष्ठाता डॉ. जितिंदर कौर गुलाटी मौजूद रहीं। मुख्य वक्ता

डॉ. रीटा रघुवंशी ने उपस्थित छात्राओं को सामुदायिक विज्ञान एवं सतत विकास विषय पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आधुनिक युग में सामुदायिक विज्ञान का भविष्य बेहतर है। छात्राओं को गणित, कंप्यूटर विज्ञान, सांख्यिकी विज्ञान, सामाजिक विज्ञानिक व छात्राएं उपस्थित रहीं।

विज्ञान और मानविकी विषयों में अपनी क्षमताओं को बढ़ाने की आवश्यकता है, जोकि आने वाले समय की मांग है। वक्ता डॉ. जितिंदर कौर गुलाटी ने कहा कि बदलते समय के साथ नवाचारों, ज्ञान और कौशल में विकास करना चाहिए।

मोदीपुरम के इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मिंग सिस्टम रिसर्च से वैज्ञानिक डॉ. निशा वर्मा ने समुदाय आधारित हस्तक्षेप के प्रभावी कार्याचयन के लिए उभरते उपकरण और तकनीकें विषय और नई दिल्ली के इंडियन एग्रीकल्चरल रिसर्च इंस्टीट्यूट की प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. प्रेमलता ने महिलाओं के नेतृत्व में विकास विषय पर अपने व्याख्यान दिए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारीगण, महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, विज्ञानिक व छात्राएं उपस्थित रहीं।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सम्पादक पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
३२ · भूमि	२८.१२.२३	१२	३-४

कार्यक्रम

हक्कवि के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की स्वर्ण जयंती पर संगोष्ठी का आयोजन

## मनुष्य को परिवार, समाज व संसाधनों में सामंजस्य बैठाना जरूरी

हरिगुणि न्यूज़ || हिसार

अगले दशक में भारत में युवाओं की आबादी दुनिया में सबसे अधिक होगी। यदि देश का उत्थान करना है तो युवाओं को परिवार, समाज व संसाधनों के बीच सामंजस्य स्थापित करना होगा। इसके लिए उन्हें समय के साथ-साथ अपने ज्ञान, नवाचारों व कौशल में विकास करना चाहिए। तभी हमारा देश उन्नति के पथ पर अग्रसर हो पाएगा। यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रौ. बीआर काम्बोज ने बुधवार को विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की स्वर्ण जयंती के उपलक्ष्य पर सामुदायिक विज्ञान शिक्षा : चुनौतियाँ एवं अवसर विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में विचार रखते हुए कही। मुख्य वक्ता के रूप में पंतनगर के गोबिंद वल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी की पूर्व अधिष्ठाता डॉ. रीटा रघुवंशी उपस्थित रही, जबकि लुधियाना के



हिसार। राष्ट्रीय संगोष्ठी में उपस्थित छात्राओं व शिक्षाविदों को संबोधित करते हुए कुलपति प्रौ. बीआर काम्बोज।

फोटो : इरिथ्रमि

पंजाब कृषि विश्वविद्यालय में कॉलेज ऑफ होम साइंस की पूर्व अधिष्ठाता डॉ. जितिंद्र कौर गुलाटी उपस्थित रही।

मुख्यातिथि ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि यदि समय रहते उन्होंने

भीतर अंदर ज्ञान, कौशल, अनुशासन गुणों का विकास व समाज के हित के लिए कदम नहीं उठाएं तो भविष्य में काफी चुनौतियों से लड़ना पड़ सकता है। इसलिए बदलते समय के साथ अपने अंदर परिवर्तन लाना

### पहले कुछ सीखने की ललक जगाएँ: कुलपति

कुलपति ने विद्यार्थियों से आहान किया कि वे अपने करियर को संवारने के लिए पहले कुछ सीखने की ललक जगाएँ और फिर उस कार्य को पूरा करने की निरंतरता जारी रखें। साथ ही पाठ्यक्रमों से संबंधित शिक्षकों से संवाद जरूर करें। मुख्य वक्ता डॉ. रीटा रघुवंशी ने उपस्थित छात्राओं को सामुदायिक विज्ञान एवं सतत विकास विषय पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आधुनिक युग में सामुदायिक विज्ञान का भविष्य उज्ज्वल है। छात्राओं को गणित, कंप्यूटर विज्ञान, सांख्यिकी विज्ञान, सामाजिक विज्ञान और मानविकी विषयों में अपनी क्षमताओं को बढ़ाने की आवश्यकता है, जोकि आने वाले समय की मांग है। वक्ता डॉ. जितिंद्र कौर गुलाटी ने साकारात्मक युवा विकास विषय के पहलुओं पर छात्राओं से चर्चा की। उन्होंने पर्यावरण, आर्थिक व समाज को सामुदायिक विज्ञान विषय की अहम कड़ी बताते हुए कहा कि यदि किसी समाज का उत्थान करना है तो बदलते समय के साथ नवाचारों, ज्ञान और कौशल में विकास करना चाहिए।

आवश्यक है। उन्होंने इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में पढ़ाए रहे सभी कोर्सों को अहम बताते हुए कहा कि इससे हमारे ज्ञानवर्धन के साथ सामाजिक कार्यों को बढ़ावा मिलने में भी मदद मिलेगी। उन्होंने शिक्षकों से कहा कि वे कक्षा में हर विद्यार्थी की प्रतिभा की पहचान कर उसको संवारने का प्रयास करें। महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजू महता ने सभी का स्वागत प्रस्तुत किया।

किया। शिक्षा एवं संचार प्रबंधन विभाग की प्रभारी एवं कार्यक्रम की समन्यवक डॉ. बीना यादव ने एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के तहत विभिन्न विषयों पर होने वाले तकनीकी सत्रों, गतिविधियों, कार्यों व रूपरेखा के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी। खाद्य एवं पोषण विभाग की अध्यक्ष डॉ. संगीता चहल सिंधु ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम  
पंजाब - ५८१

दिनांक  
२४-१२-२३

पृष्ठ संख्या  
५

कॉलम  
५-६

## मनुष्य को परिवार, समाज व संसाधनों में सामंजस्य बैठाना जरूरी : कुलपति

हिसार, 27 दिसम्बर (ब्यारो) :  
आगे दशक में भारत में युवाओं की  
आबादी दुनिया में सबसे अधिक होगी।  
यदि देश का उत्थान करना है तो युवाओं  
को परिवार, समाज व संसाधनों के  
बीच सामंजस्य स्थापित करना होगा।  
इसके लिए उन्हें समय के साथ-साथ  
अपने ज्ञान, नवाचारों व कौशल में  
विकास करना चाहिए। तभी हमारा  
देश उन्नति के पथ पर अग्रसर हो पाएगा।

ये विचार चौधरी चरण सिंह  
हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के  
कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अंज  
विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती  
सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की  
स्वर्ण जयंति के उपलक्ष्य पर सामुदायिक  
विज्ञान शिक्षा : चुनौतियां एवं अवसर  
विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी  
में बतौर मुख्यातिथि कहे। इस दौरान  
मुख्य वक्ता के रूप में पंतनगर के  
गोविंद वल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी  
की पूर्व अधिष्ठाता डॉ. रीटा रघुवंशी  
उपस्थित रही, जबकि लुधियाना के  
पंजाब कृषि विश्वविद्यालय में कॉलेज  
ऑफ होम साइंस की पूर्व अधिष्ठाता  
डॉ. जितिंदर कौर गुलाटी उपस्थित रही।



दीप प्रज्ञवेलित कर संगोष्ठी का  
उद्घाटन करते कुलपति प्रो.  
बी.आर. काम्बोज।

मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज  
ने कहा कि बदलते समय के साथ  
जैसे-जैसे परिवार व समाज का दायरा  
बढ़ा है, वैसे-वैसे चुनौतियां भी बढ़  
रही हैं। यदि समय रहते उन्होंने भीतर  
अंदर ज्ञान, कौशल, अनुशासन गुणों  
का विकास व समाज के हित के लिए  
कदम नहीं उठाएं तो भविष्य में काफी  
चुनौतियों से लड़ा याद नहीं रहेगा।  
इसलिए बदलते समय के साथ अपने  
अंदर परिवर्तन लाना आवश्यक है।  
इस अवसर पर विश्वविद्यालय के  
अधिकारीण सहित इससे जुड़े  
महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक,  
विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक व छात्राएं  
उपस्थित रही।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम  
उत्तर समाचार

दिनांक  
28-12-23

पृष्ठ संख्या  
५

कॉलम  
१-५

## मनुष्य को परिवार, समाज व संसाधनों में समंजस्य बढ़ाना ज़रूरी : कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज

### कृषि के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की स्वर्ण जयंति के उपलक्ष्य पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

हिसार, 27 दिसम्बर (विरेंद्र बर्मा) : अगले दशक में भारत में युवाओं की आबादी दुनिया में सबसे अधिक होगी। यदि देश का उत्थान करना है तो युवाओं को परिवार, समाज व संसाधनों के बीच समंजस्य स्थापित करना होगा। इसके लिए उन्हें समय के साथ-साथ अपने ज्ञान, नवाचारों व कौशल में विकास करना चाहिए। तभी हमारा देश उत्तरि के पथ पर अग्रसर हो पाएगा। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने आज विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की स्वर्ण जयंति के उपलक्ष्य पर सामुदायिक विज्ञान शिक्षा : चुनौतियां एवं अवसर विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में बतार मुख्यातिथि कहे। इस दौरान मुख्य वक्ता के रूप में पंतनगर के गोबिंद वल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी की पूर्व अधिष्ठाता डॉ. रीटा रघुवंशी उपस्थित रही, जबकि लुधियाना के पंजाब कृषि विश्वविद्यालय में कॉलेज ऑफ होम साइंस की पूर्व अधिष्ठाता डॉ. जतिंदर कौर गुलाटी उपस्थित रही। मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के 50 साल पूरे करने पर सभी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि सामुदायिक विज्ञान एक अंतर विषयक क्षेत्र है, जिसमें परिवान और वस्त्र विज्ञान, खाद्य एवं पोषण, संसाधन प्रबंधन, उपभोक्ता प्रबंधन के साथ-साथ भौतिकी, जैविक, कृषि,



कृषि में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन करते हुए कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

सामाजिक और पर्यावरण विज्ञान, कला, मानविकी और प्रबंधन विषयों का संयुक्त रूप से ज्ञान है। उन्होंने कहा कि बदलते समय के साथ जैसे-जैसे परिवार व समाज का दायरा बढ़ा है वैसे-वैसे चुनौतियां भी बढ़ रही हैं। इनका निवारण सामुदायिक विज्ञान विषय में है, जोकि व्यक्ति अपने परिवार, समुदाय एवं संसाधनों के साथ गतिशील संबंधों के महत्व पर आधारित है। मुख्यातिथि ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि यौदि समय रहे उन्होंने भीतर अंदर ज्ञान, कौशल, अनुशासन गुणों का विकास व

समाज के हित के लिए कदम नहीं उठाएं तो भविष्य में काफी चुनौतियों से लड़ाना पड़ सकता है। इसलिए बदलते समय के साथ अपने अंदर परिवर्तन लाना आवश्यक है। उन्होंने इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में पढ़ाए रहे सभी कोसों को अहम बताते हुए कहा कि इससे हमारे ज्ञानवर्धन के साथ सामाजिक कार्यों को बढ़ावा मिलने में भी मद्दत मिलेगी। उन्होंने शिक्षकों से कहा कि वे कक्षा में हर विद्यार्थी की प्रतिभा की पहचान कर उसको संवारने का प्रयास करें। कुलपति ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपने करियर को संवारने के लिए पहले कुछ सीखने की ललक जाएं और फिर उस कार्य को पूरा करने की निरंतरता जारी रखें। साथ ही पद्यक्रमों से संबंधित शिक्षकों से संवाद जरूर करें। मुख्य वक्ता डॉ. रीटा रघुवंशी ने उपस्थित छात्राओं को सामुदायिक विज्ञान एवं सतत विकास विषय पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी। वक्ता डॉ. जतिंदर कौर गुलाटी ने साकारात्मक युवा विकास विषय के पहलुओं पर छात्राओं से चर्चा की। खाद्य एवं पोषण विभाग की अध्यक्ष डॉ. संगीता चहल चिंधु ने धन्यवाद प्रस्तुत किया। साथ ही मंच संचालन डॉ. मंजू दहिया ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारीगण सहित इससे जुड़े महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक व छात्राएं उपस्थित रही।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम  
दैनिक मास-कृषि

दिनांक  
28-12-23

पृष्ठ संख्या  
३

कॉलम  
४-५

## हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की टीम क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए नागपुर रवाना



भास्कर न्यूज़ | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारियों की क्रिकेट टीम राष्ट्र संत तुकड़ोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर 19वें ऑल इंडिया वाइस चांसलर क्रिकेट कप टी-20 टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए

रवाना हुई। डॉ. प्रवेश अंतिल टीम के कप्तान होंगे। कोच सह छात्र कल्याण निदेशक खेल डॉ. बलजीत गिरधर टीम के साथ रहेंगे। जबकि सह निदेशक विस्तार डॉ. कृष्ण यादव टीम के मैनेजर होंगे। गत वर्ष प्रतियोगिता की मेजबानी करते हुए हक्की की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टी-20 चैपियनशिप अपने नाम की।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अभी ३ जाना	२४-१२-२३	५	७-८

## टी-20 टूर्नामेंट के लिए एचएयू की टीम रवाना



हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारियों की क्रिकेट टीम राष्ट्र संत तुकड़ोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय में 19वें आँल इंडिया वाइस चांसलर क्रिकेट कप टी-20 टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए रवाना हुई। डॉ. प्रवेश अंतिल टीम के कप्तान होंगे। सह छात्र कल्याण निदेशक (खेल) डॉ. बलजीत गिरधर टीम के साथ बतौर कोच और सह निदेशक (विस्तार) डॉ. कृष्ण यादव बतौर मैनेजर टीम के साथ रहेंगे। प्रतियोगिता में देशभर से कुल 29 टीमें हिस्सा लेंगी। उपरोक्त टीम ने नागपुर के लिए रवाना होने से पहले विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज से भेट की। कुलपति ने कहा कि हमारे विश्वविद्यालय की क्रिकेट टीम 3 बार चैंपियन रह चुकी है। गत वर्ष अपनी मेजबानी में एचएयू की टीम विजेता बनी थी। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अनुल ढींगड़ा, सह छात्र कल्याण निदेशक डॉ. सुशील लेगा, मुख्य सुरक्षा अधिकारी सुखबीर सिंह मौजूद रहे। ब्यूरो



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सम्प्रचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
२१ नवंबर २०२३	२८-१२-२३	५	६-७

## हकूमि की टीम टी-20 टूर्नामेंट में भाग लेने को नागपुर रवाना



कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के साथ टीम के खिलाड़ी व अन्य अधिकारी। • विज्ञापि

जागरण संगाददाता, हिसार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारियों की क्रिकेट टीम राष्ट्र संत तुकड़ोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय नागपुर 19वें आल इंडिया वाइस चॉसलर क्रिकेट कप टी-20 टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए रवाना हो गई है। डा. प्रवेश अंतिल इस टीम के कप्तान होंगे। कोच के रूप में सह छात्र कल्याण निदेशक (खेल) डा. बलजीत गिरधर टीम के साथ रहेंगे जबकि सह निदेशक (विस्तार) डा. कृष्ण यादव टीम के मैनेजर होंगे। इस प्रतियोगिता

में देशभर से कुल 29 टीमें हिस्सा लेंगी। इस अवसर पर कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज, ओएसडी डा. अतुल ढांगड़ा, सह छात्र कल्याण निदेशक डा. सुनील लेगा, गैर शिक्षक कर्मचारी संघ के प्रधान दिनेश राड, मुख्य सुरक्षा अधिकारी सुखबीर सिंह मौजूद रहे।

ये है क्रिकेट टीम में शामिल सदस्य : दिनेश कुमार, डा. संजय, डा. दिनेश कुमार, डा. प्रवेश अंतिल, प्रताप कुमार, डा. अमोघवर्णा, नितम कुमार दीपक कुमार, नरेश नरवाल, डा. विजय अहलावत नवदीप, सूरज सिंह, सुनील सिवाच, कुलदीप सिंह हैं।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत सभान्याम	२४-१२-२३	११	६-८

## हृषि की टीम ऑल इंडिया वाइस चांसलर क्रिकेट कप टी-20 टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए नागपुर रवाना

### हृषि की टीम ३ बार बन चुकी है चैम्पियन

हिसार, 27 दिसम्बर (विरेंद्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारियों की क्रिकेट टीम राष्ट्र संतुकड़ोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर 19वें ऑल इंडिया वाइस

चांसलर क्रिकेट कप टी-20 टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए रवाना हो गई है। डॉ. प्रवेश अंतिल इस टीम के कप्तान होंगे। कोच के रूप में सह छात्र कल्याण निदेशक (खेल) डॉ. बलजीत गिरधर टीम के साथ होंगे जबकि सह निदेशक (विस्तार) डॉ. कृष्ण यादव टीम के मैनेजर होंगे। इस प्रतियोगिता में देशभर से कुल 29 टीमें



कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ टीम के खिलाड़ी व अन्य अधिकारी।

हिस्सा लेंगी। उपरोक्त टीम ने नागपुर के लिए रवाना होने से पहले विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज से भेंट की। कुलपति ने टीम को जीत के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमारे विश्वविद्यालय की क्रिकेट टीम ३ बार चैम्पियन रह चुकी है और गत वर्ष हृषि विश्वविद्यालय को इस

प्रतियोगिता की मेजबानी करने का अवसर मिला था। इस प्रतियोगिता में हृषि की टीम ने शानदान प्रदर्शन करते हुए टी-20 चैम्पियनशिप अपने नाम की। उन्होंने कहा कि इस प्रतियोगिता में कर्मचारियों में खेल की भावना को बढ़ावा मिलेगा।

विश्वविद्यालय कर्मचारियों में खेलों के प्रति रुक्षान बढ़ने से वे शारीरिक तौर पर फिट रहेंगे व अपने कार्य का निर्वाह अच्छे ढंग से कर सकेंगे। इस अवसर पर ओप्सडी डॉ. अतुल दंगड़ा, सह छात्र कल्याण निदेशक डॉ. सुशील लेगा, मुख्य सुरक्षा अधिकारी सुखलीर सिंह सहित अधिकारीगण व टीम के सदस्य मौजूद रहे।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक मासिक	28-12-23	6	6-8

## प्याज की रोपाई जनवरी के पहले सप्ताह में करें, आलू को चेपा से बचाएं, टमाटर की पौध को पॉलीथिन से ढकें

खेत की नियमित सिंचाई करें, हानिकारक कीटों और बीमारियों से रक्षा करें

भास्कर न्यूज | हिसार

प्याज की पौध दिसंबर में तैयार हो जाती है। इसलिए समय से खेत को तैयार करें। रोपाई का सबसे अच्छा समय दिसंबर के आखिरी सप्ताह से जनवरी का प्रथम सप्ताह है। रोपाई के तुरंत बाद सिंचाई अवश्य करें। इस मौसम में आलू को चेपा रोग हो सकता है। इसके अलावा टमाटर की पौध को भी ठंड से बचाने के लिए पॉलीथिन से ढकना जरूरी है।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि आलू की फसल के लिए 1 एकड़ खेत में लगभग 20 टन गोबर की सड़ी खाद डालकर जुताई करें। रोपाई से पहले प्रति एकड़ 25 किलोग्राम नाइट्रोजन (55 किलोग्राम यूरिया खाद), 20 किलोग्राम फास्फोरस (120 किलोग्राम सिंगल सुपर फास्फेट) तथा 10 किलोग्राम पोटाश (16 किलोग्राम म्यूरेट आफ पोटाश) खेत में दें। आलू की अच्छी फसल लेने के लिए खेत की नियमित सिंचाई करें और हानिकारक कीटों व बीमारियों से रक्षा करें। हानिकारक कीटों, मुख्यतः चेपा से बचाव के लिए प्रति एकड़ फसल पर 300



आलू की फसल का फाइल फोटो।

### इस माह टमाटर की दूसरी बिजाई कर सकते हैं किसान

डॉ. एसके तिहलन के अनुसार टमाटर की दूसरी बिजाई के लिए यह महीना सही है। बिजाई से पहले 2.5 ग्राम कैट्टन या थाइरम दवा से प्रति किलोग्राम बीज का उपचार करें। कम तापमान होने के कारण अंकुरण और पौध की बढ़वार धीमी होगी। जल्दी अंकुरण तथा पौध को पाले से बचाने के लिए नरसरी को रात में पॉलीथीन की शीट से ढक कर रखें।

मिली रोगों 30 ईसी को 200-300 लीटर पानी में घोलकर 10-15 दिन के अंतर पर आवश्यकतानुसार छिड़काव करें। ध्यान रखें कि आलू की खुदाई से कम से कम तीन सप्ताह पूर्व दवाओं का प्रयोग बंद कर दें। इन कीटनाशक दवाओं के प्रयोग

से विषाणु रोग पर भी नियंत्रण हो जाएगा क्योंकि ये कीट ही इस बीमारी को फैलाते हैं। विषाणु रोगग्रस्त पौधों को उखाड़कर नष्ट करें, यदि कच्ची फसल निकालनी हो तो 70-75 दिनों पर निकालें तथा बाजार में बेचने के लिए भेजें।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिंह ५८४	27.12.2023	--	--

## देश-प्रदेश

हिसार, बुधवार, 27 दिसंबर 2023

04

# हकूमि की टीम ऑल इंडिया वाइस चांसलर क्रिकेट कप टी-20 टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए नागपुर रवाना

■ हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की टीम 3 बार बन चुकी है चैम्पियन

सिटी प्लॉम न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारियों की क्रिकेट टीम गग्ठ सत तुकड़ोंगी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर 19वें ऑल इंडिया वाइस चांसलर क्रिकेट कप टी-20 टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए रवाना हो गई है। डॉ. प्रवेश अंतिल इस टीम के कमान होंगे। कोच के रूप में सह छात्र कल्याण निदेशक (खेल) डॉ.



कुलपति प्रौ. वी.आर. काम्बोज के साथ टीम के लिखाड़ी व अन्य अधिकारी।

बलजीत गिरधर टीम के साथ गए जाथक सह निदेशक (विस्तार) डॉ. कृष्ण यादव टीम के मैनेजर होंगे। इस प्रतियोगिता में देशभर से कुल 29 टीमें हिस्सा लेंगी। उपरोक्त टीम ने नागपुर के लिए रवाना होने से पहले विश्वविद्यालय के कुलपति

प्रौ. वी.आर. काम्बोज से भेट की। कुलपति ने टीम को जीत के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमारे विश्वविद्यालय की क्रिकेट टीम 3 बार चैम्पियन रह चुकी है और गत वर्ष हकूमि विश्वविद्यालय को इस प्रतियोगिता की मेजबानी करने का

अवसर मिला था।

इस प्रतियोगिता में हकूमि की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टी-20 चैम्पियनशिप अपने नाम की। उन्होंने कहा कि इस प्रतियोगिता में कर्मचारियों में खेल की भावना को बढ़ावा मिलेगा। विश्वविद्यालय कर्मचारियों में खेलों के प्रति रुझान बढ़ने से वे शारीरिक तौर पर फिट रहेंगे व अपने कार्य का नियंत्रण अच्छे हाथ से कर सकेंगे। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अनुल दीमदा, सह छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मशील लेणा, मुख्य सुरक्षा अधिकारी सुखबीर सिंह सहित अधिकारीगण व टीम के सदस्य मौजूद रहे।



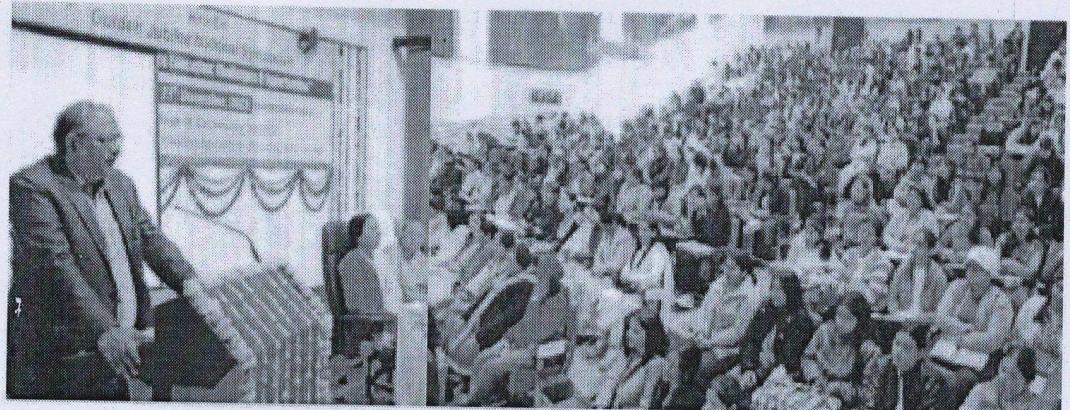
# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
रिपोर्ट पर्स	27.12.2023	--	--

## हकूमि में स्वर्ण जयंति के उपलक्ष्य पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

सिटीपल्स न्यूज, हिसार अगले दशक में भारत में युवाओं की आबादी दुनिया में सबसे अधिक होगी। यदि देश का उत्थान करना है तो युवाओं और परिवार, समाज व संसाधनों के बीच सामंजस्य स्थापित करना होगा। इसके लिए उन्हें समय के साथ-साथ अपने ज्ञान, नवाचारों व कौशल में विकास करना चाहिए। तभी हमारा देश उन्नति के पथ पर अग्रसर हो पाएगा। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रौ. बी.आर. काम्बोज ने अज विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की स्वर्ण जयंति के उत्तराध्य पर सामुदायिक विज्ञान शिक्षा - चुनौतियां एवं अवसर प्रिय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में बोतार मुख्यातिथि कहा। इस दैरेशन मुख्य बक्ता के रूप में पंतनगर के गोविंद वाडव पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी की पूर्व अधिकारी डॉ. रीटा रघुवंशी आस्थित रहे, जबकि लुधियाना के पंजाब कृषि विश्वविद्यालय में कॉलेज और होम साइंस की पूर्व अधिकारी डॉ. जितंदर कौर गुलामी आस्थित रही।

मुख्यातिथि प्रौ. बी.आर. काम्बोज ने विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के 50 साल परे करने पर सभी को बधाई दी। उन्होंने कहा



राष्ट्रीय संगोष्ठी में उन्निति छात्राओं व शिक्षिकों को संबोधित करते हुए कुलपति।

कि सामुदायिक विज्ञान एक अंतर विषयक केंद्र है जिसमें परिधान और वस्त्र विज्ञान, खाद्य एवं पोषण, संसाधन प्रबंधन, उभोक्ता प्रबंधन के साथ-साथ भौतिकी, जैविक, कृषि, सामाजिक और पर्यायवरण विज्ञान, कला, मानविकी और प्रबंधन विषयों का संयुक्त रूप से ज्ञान है। उन्होंने कहा कि व्यापक समय के साथ जैसे-जैसे परिवार व समाज का दायरा बढ़ा है वैसे-वैसे चुनौतियां भी बढ़ रही हैं। इनका निवारण सामुदायिक विज्ञान विषय में है, जोकि व्यक्ति अपने परिवार, समुदाय एवं संसाधनों के साथ गतिशील संबंधों के महत्व पर आधारित है। मुख्यातिथि ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि यदि समय रहते उन्होंने भौतिक अंदर ज्ञान, कौशल, अनुशासन गुणों का विकास

व समाज के हित के लिए कदम नहीं उठाएं तो भविष्य में काफी चुनौतियों से लड़ना पड़ सकता है। इसलिए बदलते समय के साथ अपने अंदर पीछेवर्तन लाना आवश्यक है। उन्होंने इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में पढ़ाए रहे सभी कोसों को अहम बताते हुए कहा कि इससे हमारे ज्ञानवर्धन के साथ सामाजिक कार्यों को बढ़ावा मिलने में भी मदद मिलेगी। उन्होंने शिक्षकों से कहा कि वे कक्षा में हरविद्यार्थी की प्रतिभा की पहचान करउसको संवारने का प्रयास करें। कुलपति ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपनेकारियरको संवारने के लिए पहले कुछ सीखने की ललक जगाएं और फिर उस कार्य को पूरा करने की निरंतरता जारी रखें। साथ ही पाठ्यक्रमों से संबोधित शिक्षकों से

संवाद जरूर करें।

मुख्य बक्ता डॉ. रीटा रघुवंशी ने आस्थित छात्राओं को सामुदायिक विज्ञान एवं सतत विकास विषय पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अध्युनिक युग में सामुदायिक विज्ञान का भविष्य उज्ज्वल है। छात्राओं को गणित, कंयूटर विज्ञान, सार्कियकी विज्ञान, सामाजिक विज्ञान और मानविकी विषयों में अपनी क्षमताओं को बढ़ाने की आवश्यकता है, जोकि आने वाले समय की मांग है। उन्होंने कहा कि जलवायुपरिवर्तन, बढ़ता प्रदूषण, घटते प्रकृतिक संसाधनों, खाद्य एवं पोषण सुरक्षा जैसी समस्याएं बढ़ती जा रही हैं, जिनके लिए छात्राओं को अपने अंदर कौशल विकास व ज्ञानवर्धन करने की ज़रूरत है।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पार्षद	27.12.2023	--	--

हक्किवि के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की स्वर्ण जयंती के उपलक्ष्य पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन  
मनुष्य को परिवार, समाज व संसाधनों में सामंजस्य बैठाना जरूरी : प्रो. काम्होज

www.gutenberg.org



ए. विद्या और कृती उत्तमता चीज़ों के साथ आप ही हैं। वहाँ विविधता के लिए बहुती मनुष्य विद्यार्थी अपनी जीवन के इस विषय में अपनी विशेषता देखते हैं। विद्यार्थी विद्यार्थी एक विद्यार्थी के ही पास एक विद्यार्थी और विद्यार्थी के ही पास एक विद्यार्थी है। विद्यार्थी विद्यार्थी के ही पास एक विद्यार्थी है।

प्रतीक्षा करते हुए कि वाहनों द्वारा ताजा के साथ लौटे जाने वाले विदेशी व स्वामी का वाहन अब ही देखा जा सकता है। ऐसी चुनौती भी बहुत ज़्यादा इसका विकल्प नहीं बन सकता विश्वास किया जाएगा ही, जोकि आपको विदेशी, स्वामी का वाहन लाने के लिए प्रतीक्षा करते हुए के वाहन वाले अवश्यक हैं। मुझमें इस वाहनों को लाने के लिए वाहन लाने का कहा गया था। वाहन लाने के लिए विदेशी विदेशी वाहनों का विकल्प नहीं बन सकता है। विदेशी वाहनों के लिए वाहन लाने का विकल्प नहीं बन सकता है।

वे अस्तित्व सदाचार सत्य के साथ अपनी ऐसी  
परिवर्ती जगह अवश्यक है। उसीने इसी  
सदाचारी समझौतीकरण सत्याकाशमें  
पृथग् एवं सभी दोस्री ओर अस्त जगहों पूर्वानुज्ञा  
कि इसामें इसकी उपलब्धता की सत्य समझौतेका  
भावी ओर बहुत लिखते हैं वे भी अस्त लिखतेहैं।  
उसीने लिखते हैं कि यह जगह में वह  
सिद्धार्थी की अस्तित्व की परिवास वह उसको  
संभाने का उपरान्त है। पूर्वानुज्ञा ने लिखतेहैं कि  
ये अस्त लिखते हैं कि वे अपने वाहिनीएवं  
संसारी देवीदेवताएँ अपने भौतिकों की सत्यता  
जाह्नवी और उस वाहिनी की सूर्य कामों की  
सिद्धिता जाह्नवी है। सब से पृथग्भौती से  
संभान लिखतेहैं में संभान जाह्नवी।  
पूर्व जाह्नवी और उसकी वे अस्तित्व  
सदाचारी की समझौतीकरण सत्य में सुख  
लिखते हैं कि अस्तित्वका वाहन में समझौतीकरण  
लिखते हैं वे अस्तित्व उपलब्ध है। उसीने वे  
कृष्ण, लंगूल लिखते हैं, वाहिनीकी लिखते  
परमात्मक लिखते हैं और वाहिनीकी लिखते हैं  
अपने दूसरों की वहाने की अस्तित्वता



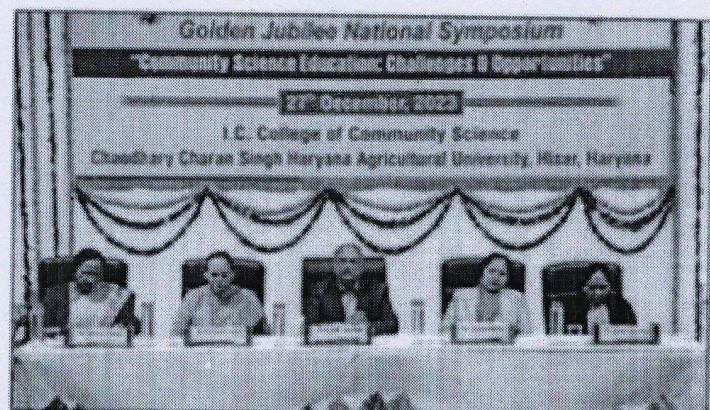
# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समझूह पत्र	27.12.2023	--	--

## मनुष्य को परिवार, समाज व संसाधनों में सामंजस्य बढ़ाना जरूरी : कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज

समस्त हरियाणा न्यूज़

हिसार, 27 दिसंबर। अगले दशक में भारत में युवाओं की आवादी दुर्निया में सबसे अधिक होगी। यदि देश का उत्थान करना है तो युवाओं को परिवार, समाज व संसाधनों के बीच सामंजस्य स्थापित करना होगा। इसके लिए उन्हें समय के साथ-साथ अपने ज्ञान, नवाचारणे व कौशल में विकास करना चाहिए। तभी हमारा देश ऊर्जा के पथ पर अग्रसर हो पाएगा। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रे. बी.आर. काम्बोज ने इदरा विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की स्वर्ण उपर्योगी के उपस्थिति पर अवसर, विषय पर आधोरित ग्राहीय संगोष्ठी में बतार मुख्यातिथि कहे। इस दीर्घ मुड़ा वक्ता के रूप में पंतनगर के गोविंद बहादुर पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी की पूर्व अधिकारी डॉ. यैटा रमेशी उपर्युक्त रही, जबकि तुंधियाना के पंजाब कृषि विश्वविद्यालय में कालिज और होम साइंस की पूर्व अधिकारी डॉ. जतिंदर कौर गुलाटी उपस्थित रही। मुख्यातिथि प्रे. बी.आर. काम्बोज ने विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के 50 माल पूरे करने पर सभी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि सामुदायिक विज्ञान एक प्रतीर विषयक थेट्र है, जिसमें परिवान और वस्त्र विज्ञान, खाद्य एवं पोषण, संसाधन प्रबंधन, उपभोक्ता प्रबंधन के साथ-साथ भौतिकी, जैविक, कृषि, समाजिक और पर्यावरण विज्ञान, कला, मनविकी और प्रबंधन विषयों का संयुक्त रूप से ज्ञान है। मुख्यातिथि ने छात्राओं को संत्रोधित करते हुए कहा कि इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में पहुंच रहे सभी कोसों को अहम बताते हुए कहा कि इससे हमारे ज्ञानवर्धन के साथ सामाजिक कार्यों को बढ़ावा मिलने में भी मदद मिलेगी। उन्होंने शिक्षकों से कहा कि वे कक्षा में हर विद्यार्थी की प्रतिभा की पहचान कर उसको संवारने का प्रयत्न करें। मुड़ा वक्ता डॉ. यैटा रमेशी ने उपर्युक्त छात्राओं को सामुदायिक विज्ञान एवं सतत विकास विषय पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अधिनिक युग में सामुदायिक विज्ञान का भविष्य उन्नज्वल है। छात्राओं को गणित, कंप्यूटर विज्ञान, सार्वजनिक विज्ञान, सामाजिक विज्ञान और मानविकी



विषयों में अपनी क्षमताओं को बढ़ाने की आवश्यकता है, जोकि आने वाले समय की मांग है। वक्ता डॉ. जतिंदर कौर गुलाटी ने साकाशमक युवा विकास विषय के पहलुओं पर छात्राओं से चर्चा की। उन्होंने पर्यावरण, अर्थीकृत व समाज को सामुदायिक विज्ञान विषय की अहम काढ़ी बताते हुए कहा कि यदि किसी समाज का उत्थान करना है तो बदलते समय के साथ नवाचारणे, ज्ञान और कौशल में विकास करना चाहिए। इसके अलावा मैदानीपुरम के इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ़ फार्मिंग सिस्टम्स रिसर्च से वैज्ञानिक डॉ. निशा बर्मा ने सामुदायक आधारित हस्तक्षेपों के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए उभरते उपकरण और तकनीकें विषय और नई दिल्ली के इंडियन एग्रीकल्चरल रिसर्च इंस्टीट्यूट की प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. प्रेमलता ने महिलाओं के नेतृत्व में विकास विषय पर अपने व्याख्यान दिए। उपर्युक्त महाविद्यालय की अधिकारी डॉ. मंजू भट्टा ने सभी का स्वागत किया। शिक्षा एवं संचार प्रबंधन विभाग की प्रभारी एवं कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. बीना यादव ने विभिन्न विषयों पर होने वाले तकनीकी सत्रों, गतिविधियों, कार्यों व रूपरेखा के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी। खाद्य एवं पोषण विभाग की अध्यक्ष डॉ. संगीता चहल सिंधु ने धनवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। साथ ही मंत्र संचालन डॉ. मंजू दीहिया ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारीगण सहित इससे जुड़े महाविद्यालयों के अधिकारी, निदेशक, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक व छात्राएं उपस्थित रही।